लिंक एक्सप्रेस-वे से सटे 4 गांव लॉजिस्टिक हब में विकसित होंगे

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गीडा प्रशासन लिंक एक्सप्रेस-वे से सटे चार गांवों को लाजिस्टिक हब के रूप में विकसित करेगा। इसके लिए 368 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसमें से करीब 100 एकड़ जमीन वेयरहाउस के लिए सुरक्षित करने की योजना है।

पिछले दिनों कमिश्नर अनिल ढींगरा से लेकर गीडा सीईओ अनुज मलिक ने श्री सीमेंट, अडानी ग्रुप, स्पर्श इस्पात समेत दर्जन भर दिग्गज कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ वर्चुअल संवाद किया था। इन उद्यमियों को 10 से लेकर 100 एकड़ जमीन

खानिमपुर में लिंक एक्सप्रेस के शुरुआती प्वाइंट पर तेजी से हो रहे विकास कार्य। • हिन्दुस्तान

> अमेजन, फ्लिपकार्ट से लेकर गीडा में निवेश को इच्छुक दर्जन भर निवेशकों को वेयर हाउस की जरूरत है। ऐसे में लिंक एक्सप्रेस-वे से सटे चार गांवों में 100 एकड़ एरिया को लाजिस्टिक हब के रूप में विकसित करने की योजना है। यहां से देश के सभी प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी है।
>
> **अनुपम मिश्रा**, ओएसडी गीडा

की जरूरत है। इनमें से ज्यादातर ने वेयर हाउस के लिए जमीन की मांग थी। जिसके बाद गीडा प्रशासन की तरफ से वेयर हाउस के लिए जमीन चिन्हित करने की कवायद शुरू की है। फिलहाल अधिकारियों ने लिंक एक्सप्रेस से सटे चार गांव चकभोग, चकफट्टा, बरउर और कतना को लाजिस्टिक हब के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है।

गेल तीन एकड़ में बना रहा वेयर हाउस : लिंक एक्सप्रेस-वे से सटे ही प्लास्टिक पार्क विकसित किया जा रहा है। गीडा प्रशासन ने यहां तीन एकड़ जमीन गेल को वेयर हाउस बनाने के लिए दिया है। गेल की तर्ज पर यहां कई कंपनियां वेयर हाउस विकसित कर सकती है। लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष दीपक कारीवाल ने कहा कि एक मानक वाला वेयर हाउस के लिए 3 से 5 एकड़ जमीन की आवश्यकता होती है। 100 एकड़ जमीन होगी तो 15 से 20 वेयर हाउस की स्थापना हो सकती है। सरकार वेयर हाउस पर तमाम सब्जिडी भी दे रही है। जिस स्थान को वेयर हाउस के लिए चिन्हित करने की योजना है, उसकी कनेक्टिविटी नेपाल, बिहार, लखनऊ से वाराणसी तक है।